

17 Μὴ νομίσητε διτὶ ἥλθον καταλησσαι τὸν νόμον ἡ τούς προφήτας δὲν ἥλθον καταλησσαι ἀλλὰ πληρῶσσι. 18 ὅμην γάρ λέγω ὑμῖν· ἔτος ὃν παρέλθῃ ὁ οὐρανὸς καὶ ἥ οὖτα ἐν ἥ μία κεραίᾳ οὐ μὴ παρέλθῃ ἀπὸ τοῦ νόμου<sup>T</sup>, ἕτοιδεν τούτων τῶν ἀλαχίστων καὶ διδάξῃ οὗτος τοὺς ἀνθρώπους, ἐλάχιστος κατηθήσεται ἐν τῇ βασιλείᾳ τῶν οὐρανῶν· □ δις δ' ἀν ποιήσῃ καὶ διδάξῃ, οὗτος μέγας κληθήσεται ἐν τῇ βασιλείᾳ τῶν οὐρανῶν.<sup>N</sup>

20 Ἀλέγω γάρ ὅμην διτὶ ἐὰν μὴ περισσεύσῃ ὑμῖν ἥ δικαιοσύνη πλειόν τῶν γραμματέων καὶ Φαρισαίων, οὐ μὴ εἰσέλθητε εἰς τὴν βασιλείαν τῶν οὐρανῶν.<sup>N</sup>

21 Ἡκούσατε διτὶ ἐρρέθη τοῖς ἀρχαίοις· οὐ φονεύσεις· δις δ' ἀν φονεύσῃ, ἔνοχος ἔσται τῇ κρίσει. 22 ἔγω δὲ λέγω ὑμῖν διτὶ πᾶς δὲ ὄργικόμενος τῷ ἀδελφῷ αὐτοῦ<sup>T</sup> ἔνοχος ἔσται τῇ κρίσει. 23 ἔγω δὲν εἴπῃ τῷ ἀδελφῷ αὐτοῦ· Γάραν, ἔνοχος ἔσται τῷ συνεδρίῳ· δις δ' ὃν εἴπῃ<sup>T</sup>. μωρέ, ἔνοχος ἔσται εἰς τὴν γέννην τοῦ πυρός. 23 ἐὰν οὖν προσφέρητε τὸ διαλλάγητο τῷ ἀδελφῷ σου, καὶ τότε ἥλθων πρόσφερε τὸ δῶρόν σου. 25 ἵσθι εὐνοῶν τῷ ἀντιδίκῳ σου ταχύ, ἵσως ὅτου εἰ μετ' αὐτοῦ ἐν τῇ διδάσκαλῳ καὶ εἰς φυλακὴν βληθῆσῃ. 26 ὅμην λέγω σοι, οὐ μὴ ἔλθῃς ἐκεῖθεν, ἵσως γὰν ἀποδῷς τὸν ἔσχατον κοδράνην.

27 Ἡκούσατε διτὶ ἐρρέθη<sup>T</sup>. οὐ μοιχεύσεις. 28 ἔγω δὲ λέγω ὑμῖν διτὶ πᾶς δὲ βλέπων γυναικά πρός τὸ ἐπιθυμήσαται ἁδῆτην δῆδη ἀμοίχευσεν αὐτὴν ἐν τῇ καρδίᾳ αὐτοῦ. 29 εἶδε ὁ δρθιαλμός σου δὲξιὸς σκανδαλίζεται σε, ἔξελε αὐτὸν

R.3,31; 8,4  
3,15 J 10,35  
R.13,8 G 5,14  
L.16,17; 21,32 sp  
Bar 4,1

Je 2,10  
1 K 15,9!  
20,26 p

Ex 20,13 D<sup>t</sup> 5,17  
Ex 21,12 Lv 24,17

E 4,26 Jc 1,19s  
13,15; D<sup>t</sup> 17,8  
13; 21,18,20?

18,3!  
23,18s

Mc 11,25 Dn 7,10  
25,5; L 12,57-59;  
18,3

Ex 20,14 Dr 5,18 |  
Ex 20,17 Job 31,1  
Sir 9,8 2P 2,14

18,34

Ex 20,14 Dr 5,18 |  
Ex 20,17 Job 31,1  
Sir 9,8 2P 2,14

18,9sp

27,1  
27,2  
27,3  
27,4  
27,5  
27,6  
27,7  
27,8  
27,9  
27,10  
27,11  
27,12  
27,13  
27,14  
27,15  
27,16  
27,17  
27,18  
27,19  
27,20  
27,21  
27,22  
27,23  
27,24  
27,25  
27,26  
27,27  
27,28  
27,29  
27,30  
27,31  
27,32  
27,33  
27,34  
27,35  
27,36  
27,37  
27,38  
27,39  
27,40  
27,41  
27,42  
27,43  
27,44  
27,45  
27,46  
27,47  
27,48  
27,49  
27,50  
27,51  
27,52  
27,53  
27,54  
27,55  
27,56  
27,57  
27,58  
27,59  
27,60  
27,61  
27,62  
27,63  
27,64  
27,65  
27,66  
27,67  
27,68  
27,69  
27,70  
27,71  
27,72  
27,73  
27,74  
27,75  
27,76  
27,77  
27,78  
27,79  
27,80  
27,81  
27,82  
27,83  
27,84  
27,85  
27,86  
27,87  
27,88  
27,89  
27,90  
27,91  
27,92  
27,93  
27,94  
27,95  
27,96  
27,97  
27,98  
27,99  
27,100  
27,101  
27,102  
27,103  
27,104  
27,105  
27,106  
27,107  
27,108  
27,109  
27,110  
27,111  
27,112  
27,113  
27,114  
27,115  
27,116  
27,117  
27,118  
27,119  
27,120  
27,121  
27,122  
27,123  
27,124  
27,125  
27,126  
27,127  
27,128  
27,129  
27,130  
27,131  
27,132  
27,133  
27,134  
27,135  
27,136  
27,137  
27,138  
27,139  
27,140  
27,141  
27,142  
27,143  
27,144  
27,145  
27,146  
27,147  
27,148  
27,149  
27,150  
27,151  
27,152  
27,153  
27,154  
27,155  
27,156  
27,157  
27,158  
27,159  
27,160  
27,161  
27,162  
27,163  
27,164  
27,165  
27,166  
27,167  
27,168  
27,169  
27,170  
27,171  
27,172  
27,173  
27,174  
27,175  
27,176  
27,177  
27,178  
27,179  
27,180  
27,181  
27,182  
27,183  
27,184  
27,185  
27,186  
27,187  
27,188  
27,189  
27,190  
27,191  
27,192  
27,193  
27,194  
27,195  
27,196  
27,197  
27,198  
27,199  
27,200  
27,201  
27,202  
27,203  
27,204  
27,205  
27,206  
27,207  
27,208  
27,209  
27,210  
27,211  
27,212  
27,213  
27,214  
27,215  
27,216  
27,217  
27,218  
27,219  
27,220  
27,221  
27,222  
27,223  
27,224  
27,225  
27,226  
27,227  
27,228  
27,229  
27,230  
27,231  
27,232  
27,233  
27,234  
27,235  
27,236  
27,237  
27,238  
27,239  
27,240  
27,241  
27,242  
27,243  
27,244  
27,245  
27,246  
27,247  
27,248  
27,249  
27,250  
27,251  
27,252  
27,253  
27,254  
27,255  
27,256  
27,257  
27,258  
27,259  
27,260  
27,261  
27,262  
27,263  
27,264  
27,265  
27,266  
27,267  
27,268  
27,269  
27,270  
27,271  
27,272  
27,273  
27,274  
27,275  
27,276  
27,277  
27,278  
27,279  
27,280  
27,281  
27,282  
27,283  
27,284  
27,285  
27,286  
27,287  
27,288  
27,289  
27,290  
27,291  
27,292  
27,293  
27,294  
27,295  
27,296  
27,297  
27,298  
27,299  
27,300  
27,301  
27,302  
27,303  
27,304  
27,305  
27,306  
27,307  
27,308  
27,309  
27,310  
27,311  
27,312  
27,313  
27,314  
27,315  
27,316  
27,317  
27,318  
27,319  
27,320  
27,321  
27,322  
27,323  
27,324  
27,325  
27,326  
27,327  
27,328  
27,329  
27,330  
27,331  
27,332  
27,333  
27,334  
27,335  
27,336  
27,337  
27,338  
27,339  
27,340  
27,341  
27,342  
27,343  
27,344  
27,345  
27,346  
27,347  
27,348  
27,349  
27,350  
27,351  
27,352  
27,353  
27,354  
27,355  
27,356  
27,357  
27,358  
27,359  
27,360  
27,361  
27,362  
27,363  
27,364  
27,365  
27,366  
27,367  
27,368  
27,369  
27,370  
27,371  
27,372  
27,373  
27,374  
27,375  
27,376  
27,377  
27,378  
27,379  
27,380  
27,381  
27,382  
27,383  
27,384  
27,385  
27,386  
27,387  
27,388  
27,389  
27,390  
27,391  
27,392  
27,393  
27,394  
27,395  
27,396  
27,397  
27,398  
27,399  
27,400  
27,401  
27,402  
27,403  
27,404  
27,405  
27,406  
27,407  
27,408  
27,409  
27,410  
27,411  
27,412  
27,413  
27,414  
27,415  
27,416  
27,417  
27,418  
27,419  
27,420  
27,421  
27,422  
27,423  
27,424  
27,425  
27,426  
27,427  
27,428  
27,429  
27,430  
27,431  
27,432  
27,433  
27,434  
27,435  
27,436  
27,437  
27,438  
27,439  
27,440  
27,441  
27,442  
27,443  
27,444  
27,445  
27,446  
27,447  
27,448  
27,449  
27,450  
27,451  
27,452  
27,453  
27,454  
27,455  
27,456  
27,457  
27,458  
27,459  
27,460  
27,461  
27,462  
27,463  
27,464  
27,465  
27,466  
27,467  
27,468  
27,469  
27,470  
27,471  
27,472  
27,473  
27,474  
27,475  
27,476  
27,477  
27,478  
27,479  
27,480  
27,481  
27,482  
27,483  
27,484  
27,485  
27,486  
27,487  
27,488  
27,489  
27,490  
27,491  
27,492  
27,493  
27,494  
27,495  
27,496  
27,497  
27,498  
27,499  
27,500  
27,501  
27,502  
27,503  
27,504  
27,505  
27,506  
27,507  
27,508  
27,509  
27,510  
27,511  
27,512  
27,513  
27,514  
27,515  
27,516  
27,517  
27,518  
27,519  
27,520  
27,521  
27,522  
27,523  
27,524  
27,525  
27,526  
27,527  
27,528  
27,529  
27,530  
27,531  
27,532  
27,533  
27,534  
27,535  
27,536  
27,537  
27,538  
27,539  
27,540  
27,541  
27,542  
27,543  
27,544  
27,545  
27,546  
27,547  
27,548  
27,549  
27,550  
27,551  
27,552  
27,553  
27,554  
27,555  
27,556  
27,557  
27,558  
27,559  
27,560  
27,561  
27,562  
27,563  
27,564  
27,565  
27,566  
27,567  
27,568  
27,569  
27,570  
27,571  
27,572  
27,573  
27,574  
27,575  
27,576  
27,577  
27,578  
27,579  
27,580  
27,581  
27,582  
27,583  
27,584  
27,585  
27,586  
27,587  
27,588  
27,589  
27,590  
27,591  
27,592  
27,593  
27,594  
27,595  
27,596  
27,597  
27,598  
27,599  
27,600  
27,601  
27,602  
27,603  
27,604  
27,605  
27,606  
27,607  
27,608  
27,609  
27,610  
27,611  
27,612  
27,613  
27,614  
27,615  
27,616  
27,617  
27,618  
27,619  
27,620  
27,621  
27,622  
27,623  
27,624  
27,625  
27,626  
27,627  
27,628  
27,629  
27,630  
27,631  
27,632  
27,633  
27,634  
27,635  
27,636  
27,637  
27,638  
27,639  
27,640  
27,641  
27,642  
27,643  
27,644  
27,645  
27,646  
27,647  
27,648  
27,649  
27,650  
27,651  
27,652  
27,653  
27,654  
27,655  
27,656  
27,657  
27,658  
27,659  
27,660  
27,661  
27,662  
27,663  
27,664  
27,665  
27,666  
27,667  
27,668  
27,669  
27,670  
27,671  
27,672  
27,673  
27,674  
27,675  
27,676  
27,677  
27,678  
27,679  
27,680  
27,681  
27,682  
27,683  
27,684  
27,685  
27,686  
27,687  
27,688  
27,689  
27,690  
27,691  
27,692  
27,693  
27,694  
27,695  
27,696  
27,697  
27,698  
27,699  
27,700  
27,701  
27,702  
27,703  
27,704  
27,705  
27,706  
27,707  
27,708  
27,709  
27,710  
27,711  
27,712  
27,713  
27,714  
27,715  
27,716  
27,717  
27,718  
27,719  
27,720  
27,721  
27,722  
27,723  
27,724  
27,725  
27,726  
27,727  
27,728  
27,729  
27,730  
27,731  
27,732  
27,733  
27,734  
27,735  
27,736  
27,737  
27,738  
27,739  
27,740  
27,741  
27,742  
27,743  
27,744  
27,745  
27,746  
27,747  
27,748  
27,749  
27,750  
27,751  
27,752  
27,753  
27,754  
27,755  
27,756  
27,757  
27,758  
27,759  
27,760  
27,761  
27,762  
27,763  
27,764  
27,765  
27,766  
27,767  
27,768  
27,769  
27,770  
27,771  
27,772  
27,773  
27,774  
27,775  
27,776  
27,777  
27,778  
27,779  
27,780  
27,781  
27,782  
27,783  
27,784  
27,785  
27,786  
27,787  
27,788  
27,789  
27,790  
27,791  
27,792  
27,793  
27,794  
27,795  
27,796  
27,797  
27,798  
27,799  
27,800  
27,801  
27,802  
27,803  
27,804  
27,805  
27,806  
27,807  
27,808  
27,809  
27,810  
27,811  
27,812  
27,813  
27,814  
27,815  
27,816  
27,817  
27,818  
27,819  
27,820  
27,821  
27,822  
27,823  
27,824  
27,825  
27,826  
27,827  
27,828  
27,829  
27,830  
27,831  
27,832  
27,833  
27,834  
27,835  
27,836  
27,837  
27,838  
27,839  
27,840  
27,841  
27,842  
27,843  
27,844  
27,845  
27,846  
27,847  
27,848  
27,849  
27,850  
27,851  
27,852  
27,853  
27,854  
27,855  
27,856  
27,857  
27,858  
27,859  
27,860  
27,861  
27,862  
27,863  
27,864  
27,865  
27,866  
27,867  
27,868  
27,869  
27,870  
27,871  
27,872  
27,873  
27,874  
27,875  
27,876  
27,877  
27,878  
27,879  
27,880  
27,881  
27,882  
27,883  
27,884  
27,885  
27,886  
27,887  
27,888  
27,889  
27,890  
27,891  
27,892  
27,893  
27,894  
27,895  
27,896  
27,897  
27,898  
27,899  
27,900  
27,901  
27,902  
27,903  
27,904  
27,905  
27,906  
27,907  
27,908  
27,909  
27,910  
27,911  
27,912  
27,913  
27,914  
27,915  
27,916  
27,917  
27,918  
27,919  
27,920  
27,921  
27,922  
27,923  
27,924  
27,925  
27,926  
27,927  
27,928  
27,929  
27,930  
27,931  
27,932  
27,933  
27,934  
27,935  
27,936  
27,937  
27,938  
27,939  
27,940  
27,941  
27,942  
27,943  
27,944  
27,945  
27,946  
27,947  
27,948  
27,949  
27,950  
27,951  
27,952  
27,953  
27,954  
27,955  
27,956  
27,957  
27,958  
27,959  
27,960  
27,961  
27,962  
27,963  
27,964  
27,965  
27,966  
27,967  
27,968  
27,969  
27,970  
27,971  
27,972  
27,973  
27,974  
27,975  
27,976  
27,977  
27,978  
27,979  
27,980  
27,981  
27,982  
27,983  
27,984  
27,985  
27,986  
27,987  
27,988  
27,989  
27,990  
27,991  
27,992  
27,993  
27,994  
27,995  
27,996  
27,997  
27,998  
27,999  
27,100  
27,101  
27,102  
27,103  
27,104  
27,105  
27,106  
27,107  
27,108  
27,109  
27,110  
27,111  
27,112  
27,113  
27,114  
27,115  
27,116  
27,117  
27,118  
27,119  
27,120  
27,121  
27,122  
27,123  
27,124  
27,125  
27,126  
27,127  
27,128  
27,129  
27,130  
27,131  
27,132  
27,133  
27,134  
27,135  
27,136  
27,137  
27,138  
27,139  
27,140  
27,141  
27,142  
27,143  
27,144  
27,145  
27,146  
27,147  
27,148  
27,149  
27,150  
27,151  
27,152  
27,153  
27,154  
27,155  
27,156  
27,157  
27,158  
27,159  
27,160  
27,161  
27,162  
27,163  
27,164  
27,165  
27,166  
27,167  
27,168  
27,169  
27,170  
27,171  
27,172  
27,173  
27,174  
27,175  
27,176  
27,177  
27,178  
27,179  
27,180  
27,181  
27,182  
27,183  
27,184  
27,185  
27,186  
27,187  
27,188  
27,189  
27,190  
27,191  
27,192  
27,193  
27,194  
27,195  
27,196  
27,197  
27,198  
27,199  
27,200  
27,201  
27,202  
27,203  
27,204  
27,205  
27,206  
27,207  
27,208  
27,209  
27,210  
27,211  
27,212  
27,213  
27,214  
27,215  
27,216  
27,217  
27,218  
27,219  
27,220  
27,221  
27,222  
27,223  
27,224  
27,225  
27,226  
27,227  
27,228  
27,229  
27,230  
27,231  
27,232  
27,233  
27,234  
27,235  
27,236  
27,237  
27,238  
27,239  
27,240  
27,241  
27,242  
27,243  
27,244  
27,245  
27,246  
27,247  
27,248  
27,249  
27,250  
27,251  
27,252  
27,253  
27,254  
27,255  
27,256  
27,257  
27,258  
27,259  
27,260  
27,261  
27,262  
27,263  
27,264  
27,265  
27,266  
27,267  
27,268  
27,269  
27,270  
27,271  
27,272  
27,273  
27,274  
27,275  
27,276  
27,277  
27,278  
27,279  
27,280  
27,281  
27,282  
27,283  
27,284  
27,285  
27,286  
27,287  
27,288  
27,289  
27,290  
27,291  
27,292  
27,293  
27,294  
27,295  
27,296  
27,297<br

*De lege adimplenda: 5,17-20*

**17** Nolite putare quoniam veni solvere Legem aut Prophetas; non veni solvere, sed adimplere. **18** Amen quippe dico vobis: Donec transeat caelum et terra, iota unum aut unus apex non praeteribit a Lege, donec omnia fiant. **19** Qui ergo solverit unum de mandatis istis minimis et docuerit sic homines, minimus vocabitur in regno caelorum; qui autem fecerit et docuerit, hic magnus vocabitur in regno caelorum.

**20** Dico enim vobis: Nisi abundaverit iustitia vestra plus quam scribarum et pharisaeorum, non intrabitis in regnum caelorum.

*Non occides. De iudicio et reconciliatione: 5,21-26*

(25-26: L 12,58s)

**21** Auditistis quia dicum est antiquis: "Non occides; qui autem occiderit, reus erit iudicio." **22** Ego autem dico vobis: Omnis, qui irascitur fratri suo, reus erit iudicio; qui autem dixerit fratri suo: "Racha", reus erit concilio; qui autem dixerit: "Fatue", reus erit gehennae ignis. **23** Si ergo offers munus tuum ad altare, et ibi recordatus fueris quia frater tuus habet aliquid adversum te, **24** relinque ibi munus tuum ante altare et vade prius, reconciliare fratri tuo et tunc veniens offer munus tuum. **25** Esto consentiens adversario tuo cito, dum es in via cum eo, ne forte tradat te adversarius iudici, et iudex tradat te ministro, et in carcерem mittaris.

**26** Amen dico tibi: Non exies inde, donec reddas novissimum quadrantem.

*De adulterio: 5,27-30*

**27** Auditistis quia dictum est: "Non moechaberis". **28** Ego autem dico vobis: Omnis, qui viderit mulierem ad concupiscendum eam, iam moechatus est eam in corde suo. **29** Quod si oculus tuus dexter scandalizat te, erue eum et vobis] add. quia C W S • 22 vobis] add. quia C W S • 23 offers C • 24 recon. facit ut tu offendas, erue eum, et add. quia C; add. quoniam W S • 28 vobis]

**17** Ne existimate me venisse ut dissolvam legem, aut prophetas: non veni ut *eam* dissolvam, sed ut *eam* impleam. Amen quippe dico vobis, Usquedum præterierit coelum et terra, iota unum aut unus apex nequaquam præterierit ex lege, usquedum omnia facta fuerint. Quisquis igitur solverit unum ex præceptis hisce minimis, et ita docuerit homines, minimus vocabitur in regno caelorum: quisquis autem fecerit et docuerit, iste vobis, Nisi abundaverit vestra iustitia amplius quam *illa* scribarum et Pharisaeorum, vos nequaquam ingressuros in regnum caelorum.

**21** Auditistis dictum fuisse a veteribus, Non occides: quisquis autem occiderit, damnas erit iudicii.

Ego vero dico vobis, Quicunque irascitur fratri suo temere, damnas erit iudicii: quicunque vero dixerit fratri suo, Raca, damnas erit consessus: quisquis autem dixerit, Fatue, damnas erit gehennæ ignis.

Igitur, si munus tuum obtuleris ad altare, et illic memineris fratrem tuum habere aliquid contra te; relinque illic munus tuum ante altare, et abi; primum reconciliator fratri tuo,

23 24 25 et tunc veni et offer munus tuum. Componere cum adversario tuo cito, dum es in via cum eo: ne quando tradat adversarius judici, et judex te tradat ministro, et in custodia conjicaris.

**26** Amen dico tibi, Nequaquam exhibis illinc, usquecum reddideris ultimum quadrantem.

**27** Auditistis dictum fuisse a veteribus, Non moechaberis. Ego vero dico vobis, Quicunque aspicit mulierem, ut *eam* concupiscat, jam adulteravit

Ex 20,14 Dt 5,18 18,9 Mc 9,47 27 28 29 29  
aud. quia C W S • 22 vobis] add. quia C W S • 23 offers C • 24 recon. facit ut tu offendas, erue eum, et add. quia C; add. quoniam W S • 28 vobis]

καὶ βάλε ἀπὸ σοῦ· συμφέρει γάρ σοι ἵνα ἀπόληται ἐν τῷν μελῶν σου καὶ μὴ ὅλον τὸ σῶμά σου γένεναι.  
**30** Καὶ εἰ ἡ δέξιά σου χεὶρ σκανδαλίζει σε, ἔκκοψον αὐτὴν καὶ βάλε ἀπὸ σοῦ· συμφέρει γάρ σοι ἵνα ἀπόληται ἐν τῷν μελῶν σου καὶ μὴ ὅλον τὸ σῶμά σου ἑις γένεναι.

**31** Ἐρρέθη δέ· ὃς δὲ ἀπολύσῃ τὴν γυναικαν αὐτοῦ, δόντινον τὴν γυναικαν αὐτοῦ παρεκτός λόγου πορνείας ποιεῖ αὐτὴν μοιχευθῆναι, ἢ καὶ ὃς ἔὰν ἀπολελευμένην γαμήσῃ, μοιχᾶται.

**32** Πάλιν ἤκουσατε ὅτι ἐρρέθη Πτοῖς ἀρχαίοις· οὐδὲ ἐπιορκήσεις, ἀποδόσεις δὲ τῷ κυρίῳ τοὺς ὄρκους σου.  
**34** Ἑγὼ δὲ λέγω ὑμῖν μὴ ὄμοσαι ὅλως· μήτε ἐν τῷ οὐρανῷ,  
 ὅτι θρόνος ἔστιν τοῦ θεοῦ, **35** μήτε ἐν τῇ γῇ, ὅτι ὑποτόποιον ἔστιν τῶν ποδῶν αὐτοῦ, **36** μήτε ἐν τῇ κεφαλῇ σου ὄμοσης, ὅτι οὐ δύνασαι μίαν τρίχα λευκήν ποιῆσαι  
 ἢ μέλαναν<sup>1</sup>. **37** Γέξτω δὲ ὁ λόγος ὑμῶν ‘ναι ναί,’ οὐδὲ περισσὸν τούτων ἐκ τοῦ πονηροῦ ἔστιν.

**38** Ἦκουσατε ὅτι ἐρρέθη· ὁρθαίμοις ἀντὶ ὁρθαίμοις οἱ οἱ  
 ὀδόνται ἀντὶ ὀδόντων. **39** Ἑγὼ δὲ λέγω ὑμῖν μὴ ἀντιστῆναι τῷ πονηρῷ· ἀλλ’ ὅστις σε γραπίζει γεῖτην τὴν δέξιάν σου [σου]<sup>2</sup>, στρέψον αὐτῷ καὶ τὴν ἄλλην· **40** καὶ τῷ θελοντί σου κριθῆναι καὶ τὸν χιτῶνά σου λαβεῖν, ἔφες αὐτῷ καὶ τὸ ἴμάτιον. **41** καὶ ὅστις σε γάγγαρεύσει μίλιον Ἕν, Ὅπαγε μετ’ αὐτοῦ **42** τῷ αἰτοῦντι σε γέδος, καὶ τὸν θέλοντα ἀπὸ σοῦ δανίσασθαι μὴ ἀποστραφῆς.

**29** Γρ<sup>1</sup>) απελθεὶς δέ τοινος D 700<sup>ms</sup> it sys<sup>o</sup> (maie) bo • 30 οὐκ D pc vg<sup>ms</sup> sys boma | ἕτη χειροῦ η δέξια (Theta) f1<sup>a</sup> | f (29) βληθησίς γενναν (L) W Θ 0233 f1<sup>a</sup> vg<sup>ms</sup> sys<sup>o</sup> sa ; txt Η.Β. f1<sup>a</sup> 33. 892 pc (lat) sys (maie) bo • 32 (p) οὐκ αὐτοῦσιν D (0250). 28. 1010 pm it sys<sup>o</sup> sa ms bo | καὶ οὐ αποκλειμένην γαπτεῖς π. B pc sa? ; - D pīc a b k; Or? ; txt Η(\*) L.W. (Θ) 0250 f1<sup>a</sup>(13) Υἱός λατ? sa? maie bo • 33 □ k sy<sup>s</sup>; If • 36 r-1-3 5 6 4 Υἱός sy<sup>s</sup>; 12 4 3 5 6 0250 f1<sup>a</sup> 700 h ; 4 (εἰν D\*) I-3 (2 1 3 D) 5 6 D f1 k; GrNy ; txt Η.Β. (L) W Ο.33. 892 pc lat • 37 Γεστού B 700 pc | γναν καὶ L (b g<sup>1</sup> h, sys<sup>o</sup>,?) ; το v. v. κατο Θ pc; Ju Iraam? Cl Chom Or Cyr • 38 Ο D f1 s it mae • 39 Γ-ετε DL Θ f1<sup>a</sup> Υἱός ; txt Η.Β. W 33. 700. 1424 pc | F p) ετού Η.Β. D L Θ f1<sup>a</sup> Υἱός ; txt Η.Β. W al | r-1 3 2 K L Δ Θ f1<sup>a</sup> 28. 565. 700. 1424 pm sys<sup>s</sup>; I 2 Η.Β. f1<sup>a</sup> 33. 892. 1010 1241 pm a f(h); Or Ad Ephiph Cyr ; 2 3 D k sys<sup>o</sup> ; txt B sys<sup>s</sup>?; Eus • 40 οὐ λαβεῖν D | Τρού Η.33. 1241. 1424 pc • 41 Γεαν εγγ-ση Η.33. 892\* pc) | Τετι αλλα D it vg<sup>o</sup> sys<sup>s</sup>? ; αλλα lat sys<sup>s</sup>; If fat • 42 Γειδον Ι. Θ f1<sup>a</sup> Υἱός ; txt Η.Β. D W f1<sup>a</sup> 892 pc | ᾧ τω θελοντι δαν. D (k)

σοῦ· διότι σὲ συμφέρει νὰ Χαθῇ ἐν τῷν μελῶν σου, καὶ νὰ μὴ μιφθῇ ὅλον τὸ σῶμά σου εἰς τὴν γένεναν.

**30** Καὶ ἔαν ἡ δέξιά σου χεὶρ σὲ σκανδαλίζῃ, ἔκκοψον αὐτὴν, καὶ ἔψων ἀπὸ σοῦ διότι σὲ συμφέρει νὰ Χαθῇ ἐν τῷν μελῶν σου, καὶ μὴ μιφθῇ ὅλον τὸ σῶμά σου εἰς τὴν γένεναν.

**31** Ἐρρέθη πρὸς τούτοις, ὅτι ὅστις χωρισθῇ τὴν γυναικά αὐτοῦ, δὲς δασηρή εἰς αὐτὴν διαζηγυτον.  
**32** Εγώ δῆμας σᾶς λέγω, δητε δῆστις τοῦ, ἀς δασηρή εἰς αὐτὴν διαζηγυτον.

**33** Πάλιν ἤκουσατε ὅτι ἐρρέθη Πτοῖς ἀρχαίοις· οὐδὲ

Lv 19,12 Nu 30,3 Dt 23,22 δ Zch 8,17 23,22 Is 66,1 Ps 11,4 Is 66,1 Ps 99,5 Thr 2,1 Ps 48,3

2K 1,17 Jc 5,12 Ex 21,24 s Lv 24, 20 Dt 19,21 R 12,19,21 1P 2,23 1 Th 5,151 Piv 20,22; 24,29. Thm 3,30 Is 50,6

2K 1,17 Jc 5,12 Ex 21,24 s Lv 24, 20 Dt 19,21 R 12,19,21 1P 2,23 1 Th 5,151 Piv 20,22; 24,29. Thm 3,30 Is 50,6

εἰς τὸν ἀρχαίον, 38 Μή ἐπιορκήσης, ἀλλὰ 39 ἐκπλήρωσον εἰς τὸν Κύριον τὸν ὄρκους σὸν. 34 Ἔγώ δέ σας λέγω, 40 νὰ μὴ ὄμοσῃς ποδίου τῶν ποδῶν αὐτοῦ μήτε εἰς τὸν μεγαλουμένου πόλιον μεγαλουμένων· 35 μήτε εἰς τὴν γῆν, διότι εἶναι ὑπόμενας σᾶς μηδόλως· μήτε εἰς τὸν οὐρανόν, διότι 41 εἶναι θρόνος τοῦ Θεοῦ. 36 μήτε εἰς τὴν γῆν, διότι εἶναι υπόμενος ποδίου τῶν ποδῶν αὐτοῦ μήτε εἰς τὸν μεγαλουμένων· 36 μήτε εἰς τὴν γῆν, διότι εἶναι υπόμενος ποδίου τῶν ποδῶν αὐτοῦ μήτε εἰς τὸν μεγαλουμένων· 37 Αλλὰ μήτε εἰς τὴν γῆν, διότι εἶναι υπόμενος ποδίου τῶν ποδῶν αὐτοῦ μήτε εἰς τὸν μεγαλουμένων· 38 Εξόδος 43 ἀς οὐδὲ ὁ λόγος σας, Ναι, νατευτοῦ σου, οὐ, οὐ, τὸ δὲ πλεύστερον τούτον εἶναι ἐκ τοῦ πονηροῦ.

**38** Ἦκουσατε ὅτι ἐρρέθη, “44 Ο-

φθαλίδον ἀντὶ ὁρθαίμοιν, καὶ ὀδόνται ἀντὶ ὀδόντων.” 39 Πήδη δῆμας σᾶς

εἰς τὸν πονηρόν· ἀλλ’ 46 ὅστις σὲ πάσῃ στρέψῃ εἰς αὐτοῦ καὶ τὴν ἄλλην, στρέψου εἰς αὐτοῦ καὶ τὴν ἄλλην, 40 καὶ εἰς τὸν θέλοντα νὰ κριθῇ μετὰ σου, καὶ νὰ λαβῇ τὸν χιτῶνα σου, ἄφες εἰς συγτὸν καὶ τὸ ἴμάτιον· 41 καὶ 47 ἦν σὲ ἀγγαρεύσῃ της μέλιτον ἐν ὑπαγε μετ’ αὐτοῦ διότι.

**42** Εἰς τὸν δηγούντα παρὰ σοῦ διότε 48 καὶ τὸν θέλοντα νὰ δανεισθῇ ἀπὸ σοῦ μὴ ἀποστραφῆς.

καὶ ρίψου ἀπὸ

ἐν τῷν μελῶν σου, καὶ νὰ μὴ μιφθῇ ὅλον τὸ σῶμά σου εἰς τὴν γένεναν.

**30** Καὶ ἔαν ἡ δέξιά σου χεὶρ σὲ σκανδαλίζῃ, ἔκκοψον αὐτὴν, καὶ

βήψων ἀπὸ σοῦ διότι σὲ συμφέρει νὰ Χαθῇ ἐν τῷν μελῶν σου, καὶ μὴ μιφθῇ ὅλον τὸ σῶμά σου εἰς τὴν γένεναν.

**31** ᘾερρέθη πρὸς τούτοις, ὅτι ὅστις χωρισθῇ τὴν γυναικά αὐτοῦ, δὲς δασηρή εἰς αὐτὴν διαζηγυτον.

**32** Εγώ δῆμας σᾶς λέγω, δητε δῆστις τοῦ, ἀς δασηρή εἰς αὐτὴν διαζηγυτον.

**33** Πάλιν ἤκουσατε ὅτι ἐρρέθη Πτοῖς ἀρχαίοις· οὐδὲ

εἰς τὸν ἀρχαίον, 38 Μή ἐπιορκήσης, ἀλλὰ 39 ἐκπλήρωσον εἰς τὸν Κύριον τὸν ὄρκους σὸν. 34 μήτε εἰς τὴν γῆν, διότι εἶναι υπόμενος ποδίου τῶν ποδῶν αὐτοῦ μήτε εἰς τὸν οὐρανόν, διότι 41 εἶναι θρόνος τοῦ Θεοῦ. 35 μήτε εἰς τὴν γῆν, διότι εἶναι υπόμενος ποδίου τῶν ποδῶν αὐτοῦ μήτε εἰς τὸν μεγαλουμένων· 36 μήτε εἰς τὴν γῆν, διότι εἶναι υπόμενος ποδίου τῶν ποδῶν αὐτοῦ μήτε εἰς τὸν μεγαλουμένων· 37 Αλλὰ μήτε εἰς τὴν γῆν, διότι εἶναι υπόμενος ποδίου τῶν ποδῶν αὐτοῦ μήτε εἰς τὸν μεγαλουμένων· 38 Εξόδος 43 ἀς οὐδὲ ὁ λόγος σας, Ναι, νατευτοῦ σου, οὐ, οὐ, τὸ δὲ πλεύστερον τούτον εἶναι ἐκ τοῦ πονηροῦ.

**38** Ἦκουσατε ὅτι ἐρρέθη, “44 Ο-

φθαλίδον ἀντὶ ὁρθαίμοιν, καὶ ὀδόνται

εἰς τὸν πονηρόν.” 39 Πήδη δῆμας σᾶς

λέγω, 45 νὰ μὴ ἀπισταθῆτε πρὸς

τὸν πονηρόν· ἀλλ’ 46 ὅστις σὲ πάσῃ

πίστη εἰς τὴν δέξιάν σου σταγόνα,

στρέψου εἰς αὐτοῦ καὶ τὴν ἄλλην,

40 καὶ εἰς τὸν θέλοντα νὰ κριθῇ μετὰ σου, καὶ νὰ λαβῇ τὸν χιτῶνα σου, ἄφες εἰς συγτὸν καὶ τὸ ἴμάτιον· 41 καὶ 47 ἦν σὲ ἀγγαρεύσῃ της μέλιτον ἐν ὑπαγε μετ’ αὐτοῦ διότι.

**42** Εἰς τὸν δηγούντα παρὰ σοῦ διότε 48 καὶ τὸν θέλοντα νὰ δανεισθῇ ἀπὸ σοῦ μὴ ἀποστραφῆς.

καὶ ρίψου ἀπὸ

ἐν τῷν μελῶν σου, καὶ νὰ μὴ μιφθῇ ὅλον τὸ σῶμά σου εἰς τὴν γένεναν.

**30** Καὶ ἔαν ἡ δέξιά σου χεὶρ σὲ σκανδαλίζῃ, ἔκκοψον αὐτὴν, καὶ

βήψων ἀπὸ σοῦ διότι σὲ συμφέρει νὰ Χαθῇ ἐν τῷν μελῶν σου, καὶ μὴ μιφθῇ ὅλον τὸ σῶμά σου εἰς τὴν γένεναν.

**31** ᘾερρέθη πρὸς τούτοις, ὅτι ὅστις χωρισθῇ τὴν γυναικά αὐτοῦ, δὲς δασηρή εἰς αὐτὴν διαζηγυτον.

**32** Εγώ δῆμας σᾶς λέγω, δητε δῆστις τοῦ, ἀς δασηρή εἰς αὐτὴν διαζηγυτον.

**33** Πάλιν ἤκουσατε ὅτι ἐρρέθη Πτοῖς ἀρχαίοις· οὐδὲ

εἰς τὸν ἀρχαίον, 38 Μή ἐπιορκήσης, ἀλλὰ 39 ἐκπλήρωσον εἰς τὸν Κύριον τὸν ὄρκους σου εἰς τὴν γένεναν.

**34** μήτε εἰς τὸν οὐρανόν, διότι 41 εἶναι θρόνος τοῦ Θεοῦ. 42 Καὶ ἔαν ἡ δέξιά σου χεὶρ σὲ σκανδαλίζῃ, ἔκκοψον αὐτὴν, καὶ

βήψων ἀπὸ σοῦ μὴ ἀποστραφῆς.

καὶ ρίψου ἀπὸ

ἐν τῷν μελῶν σου, καὶ νὰ μὴ μιφθῇ ὅλον τὸ σῶμά σου εἰς τὴν γένεναν.

proice abs te; expedit enim tibi, ut pereat unum membrorum tuorum, quam totum corpus tuum mittatur in gehennam. **30** Et si dextera manus tua scandalizat te, abscide eam et proice abs te; expedit enim tibi, ut pereat unum membrorum tuorum, quam totum corpus tuum abeat in gehennam.

*De repudio: 5,31-32*

(32: L 16,18)

**31** Dictum est autem: "Quicumque dimiserit uxorem suam, det illi libellum repudi". **32** Ego autem dico vobis: Omnis, 19,9 Mc 10,11s qui dimiserit uxorem suam, excepta fornicationis causa, facit eam moechari; et qui dimissam duxerit, adulterat.

*De iuratione: 5,33-37*

(33: L 16,18)

**33** Iterum audistis quia dictum est antiquis: "Non perirebis; redde autem Domino iumenta tua". **34** Ego autem dico vobis: Non iurare omnino, neque per *caelum*, quia *thronus Dei* est, **35** neque per *terram*, quia *scabellum est* Is 66,1 Act 7,49 *pedum eius*, neque per Hierosolymam, quia *civitas est magni Regis*; **36** neque per caput tuum iuraveris, quia non potes unum capillum album facere aut nigrum. **37** Sit autem sermo vester: "Est, est"; "Non, non"; quod autem his abundantius est, a Malo est.

*De retributione: 5,38-42*  
(39-42: L 6,29s)

**38** Audistis quia dictum est: "Oculum pro oculo et dentem pro dente". **39** Ego autem dico vobis: Non resistere malo; sed si quis te percusserit in dextera maxilla tua, praeve illi Prv 20,22; 24,29 1P 3,9 et alteram; **40** et ei, qui vult tecum iudicio contendere et tunicam tuam tollere, remitte ei et pallium; **41** et quicumque te angariaverit mille passus, vade cum illo duo. **42** Qui petit a te, da ei; et volenti mutuari a te, ne avertaris.

30 enim om. S | abeat] eat C W S • 31 illij ei C • 32 vobisi add. quia C W S • 39 in dexteram maximam tuam C • 40 dimitte C • 41 illo add. (+ et C) alia C W S

abjice abs te: expedit enim tibi ut pereat unum ex membris tuis, ac non totum corpus tuum conjiciatur in gehennam. Et, si dextera tua manus facit ut tu offendas, excindle eam, et abjice abs te: expedit enim tibi ut pereat unum ex membris tuis, ac non totum corpus tuum conjiciatur in gehennam.

**31** Dictum est autem, Quisquis dimiserit uxorum suam, det ei libellum abcessionsis. Ego vero dico vobis, Quisquis dimiserit uxorem suam, extra rationem scortationis, facit ut ea moechetur: et quisquis dimissam duxerit, moechatur.

**32** Rursus audistis dictum fuisse a veteribus, Non pejerabis, sed reddes Domino quae tu juraveris. Lv 19,12 Nu 30,3 34 Ego vero dico vobis, Ne jurate omnino: neque per coelum, quia *thronus Dei* est: neque per terram, quia *scabellum est* pedum ejus; neque per Hierosolyma, quia *urbs est magni regis*. Ps 48,3

**33** Neque per caput tuum jures, quia non potes unum capillum album aut nigrum facere. Esto autem sermo vester, Etiam, etiam, Non, non: quod autem supra haec redundat, ab illo improbo emanat.

**34** Audistis dictum fuisse, Oculum pro oculo, et dentem pro dente. Ego vero dico vobis, Ne obsistite improbo; sed qui te cædet in dexteram tuam maxillam, obverte ei et alteram: et ei qui velit tecum contendere, ac tunicam tuam capere,

Ex 21,24 40 tuam maxillam, obverte ei et alteram: et ei qui velit tecum contendere, ac tunicam tuam capere, 41 dimitte illi etiam pallium: et quisquis te angariabit ad milliare unum, abi cum eo duo. Penteri abs te dato: et volentem mutuari abs te, ne aversator.

*De dilectione inimicorum. 5,43-48*

43 Auditis quia dictum est: "Diliges proximum tuum et odio habebis inimicum tuum". 44 Ego autem dico vobis:

Diligite inimicos vestros et orate pro perseguentibus vos, r 12,14.20

45 ut sitis filii Patris vestri, qui in caelis est, quia solen-

suum oriri facit super malos et bonos et pluit super iustos et iniustos. 46 Si enim dilixeritis eos, qui vos diligunt, quam

mercedem habetis? Nonne et publicani hoc faciunt? 47 Ei-

si salutaveritis fratres vestros tantum, quid amplius facitis?

Nonne et ethnici hoc faciunt? 48 Estote ergo vos perfecti,

sicut Pater vester caelestis perfectus est.

*De eleemosyna: 6,1-4*

6 Attendite, ne iustitiam vestram faciatis coram homini-  
bus, ut videamini ab eis; alioquin mercedem non habe-  
tis apud Patrem vestrum, qui in caelis est. 2 Cum ergo  
facies eleemosynam, noli tuba canere ante te, sicut hypo-  
critae faciunt in synagogis et in vicis, ut honorificentur ab  
hominibus. Amen dico vobis: Recepérunt mercedem suam.  
3 Te autem faciente eleemosynam, nesciat sinistra tua  
quid faciat dextera tua, 4 ut sit eleemosyna tua in abscon-  
dito, et Pater tuus, qui videt in abscondito, reddet tibi.

*De oratione. Oratio dominica: 6,5-15*

5 Et cum oratis, non eritis sicut hypocritae, qui amant  
44 vestros] add. benefacite his qui oderunt vos C W S | perseguentibus] add. et cauillian.  
tibus C W S • 45 quia] qui C W S | ~ bonos et malos C W S • 46 dilixeritis] dili-  
gitis C; diligatis W S | habebitis C W S • 48 sicut] add. et C W S

¶ 6,1 habebitis C W S • 2 facies] facis C

43 Auditis dictum suisse, Diliges proximum tuum, et odio habebis inimicum tuum. Ego vero dico vobis, Diligite inimicos vestros, benedicite iis qui exsecrantur vos, benefacite iis qui oderunt vos, et orate pro iis qui vobis sunt infensi,

44 et perseguuntur vos: ut sitis filii Patris illius vestri qui est in caelis: facit enim ut sol suus exoriatur super improbos ac bonos, et pluit super iustos et injustos. Nam si dilexeritis eos qui

diligunt vos, quam mercedem habebitis? nonne et publicani idem faciunt? Et si complexi fueritis fratres vestros solum, quid amplius facitis? nonne

45 et publicani ita faciunt? Estote igitur vos perfecti,

6 ut Pater vester ille, qui est in caelis, perfectus est. ATTENDITE ne justitiam vestram exerceatis coram hominibus, ut spectemini ab eis: alioqui mercedem non habebitis apud Patrem vestrum qui est in caelis. Itaque quum præstabis eleemosynam, ne curato buccina cani coram te, sicut hypocritæ faciunt in synagogis et in plateis, ut gloriam consequantur ab hominibus: amen dico vobis, 3 Perceptam habent mercedem suam. Quum vero tu das eleemosynam, ne noverit sinistra tua quid faciat dextera tua; ut sit tua eleemosyna in occulto: Pater autem tuus, qui te aspicit in occulto, reddet tibi in propatulo.

5 Et quum orabis, ne esto ut hypocrite; amant